कर्मचारी भविष्य निधि संगठन
(श्रम एवं रोज़गार मन्त्रालय, भारत सरकार)
मुख्य कार्यालय : भविष्य निधि भवन,
14, भीकाएजी कामा प्लेस, नई दिल्ली-110066
दूरभाष : 011-26172671, फैक्स : 011-26189910
Employees' Provident Fund Organisation
(Ministry of Labour & Employment, Govt. of India)
Head Office : Bhavishya Nidhi Bhawan,
14, Bhikaiji Cama Place, New Delhi-110 066
Phone : 011-26172671, Fax : 011-26189910

डॉ. वी. पी. जोय, भा.प्र.से.
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त
Dr. V. P. Joy, IAS
Central Provident Fund Commissioner

हि.अ./8(7)2017/ हिन्दी पखवाड़ा 2403
दिनांक :- 25 AUG 2017

अपील

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एक ऐसी संस्था है, जो सीधे-सीधे श्रमिकों व मजदूर वर्ग से जुड़ी है। अत: हमारा यह दायित्व हो जाता है कि हम जिस भाषा का प्रयोग करें वह सरल, सहज और सुगम हो।

हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा दिया है। आज हिंदी न केवल हमारे देश में बोली व समझी जाती है वरन् अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हिंदी को विशेष मान्यता प्राप्त है। भारत सरकार की राजभाषा नीति भी हिंदी भाषा को सरल बोलचाल की भाषा के रूप में प्रोत्साहित करती है । राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और उसकी बढ़ोतरी के लिए प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी 01 सितम्बर से 15 सितम्बर, 2017 तक संगठन के सभी कार्यालयों में हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए मैं संगठन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं ।

इस अवसर पर सभी कार्यालयों के प्रशासनिक प्रधान अपने कार्यालयों में, सामान्य टिप्पणियां अधिकांशत: हिंदी में लिखने तथा पत्राचार के मसौदे हिंदी में ही तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करें। यह प्रयास न केवल इस पखवाड़े में, वरन् पूरे वर्ष जारी रहे। इस दिशा में वरिष्ठ अधिकारी स्वयं पहल करें।

मैं चाहूंगा कि हिंदी पखवाड़े के अवसर पर सभी कार्यालयों के प्रभारी अधिकारी हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए संकल्प लें और अपने-अपने कार्यालयों में निम्नलिखित कदम उठाएं:-

(i) विभागीय बैठकों में यथासंभव सरल और बोलचाल की भाषा में संवाद करें। इससे हिंदी के पक्ष में अनुकूल वातावरण बनाने में बहुत सहायता मिलेगी।

(ii) हिन्दी के प्रभावी प्रयोग के लिए यह आवश्यक है कि आपके कार्यालय में उपलब्ध सभी कम्प्यूटर यूनिकोड समर्थित हों। इससे कंप्यूटर जनित हिंदी पत्राचार में वृद्धि हो सकेगी।

(iii) संगठन की विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी देने के लिए वेबसाइट एक सशक्त माध्यम है। वेबसाइट का अंग्रेजी के अतिरिक्त हिंदी भाषा में भी होना आवश्यक है।

अत: आपके कार्यालय की वेबसाइट को पूरी तरह द्विभाषी बनाया जाए तथा इसे निरन्तर अपडेट किया जाए।

(iv) संगठन के कार्यों में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर को भी द्विभाषी बनाने के सघन प्रयास किए जाएं, जिससे सामान्य जन इनका प्रयोग सुगमता से कर सकें।

(v) अपने क्षेत्र की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की बैठकों में शीर्ष अधिकारियों की नियमित सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा शासकीय कार्यों में राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के निदेश दें।

(vi) अधिकारीगण अपने स्तर से हिंदी भाषा में डिक्टेशन देने का प्रयास करें। ऐसा करके वे न केवल स्वयं के बल्कि अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के भी प्रेरणास्रोत बन सकते हैं। इससे हिंदी में कार्य को प्रतिष्ठा एवं सम्मान भी मिलेगा।

आइए हम सब मिलकर राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए संकल्प करें। मैं पुन: संगठन के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से अपील करता हूं और आशा करता हूं कि आप कार्यालय में हिंदी में काम करने के प्रयासों को निरंतर जारी रखेंगे।

। जय हिंद ।

वीपीजोय

(डॉ. वी.पी. जोय)

<u>प्रतिलिपि :-</u>

संगठन के सभी अधिकारी व कर्मचारी-गण ।
संगठन की वेबसाइट के माध्यम से